राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Hons.) Hindi

सेमेस्टर VIII – DSE

राग दरबारी

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE राग दरबारी	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- व्यंग्य विधा की जानकारी प्रदान करना।
- राग दरबारी का महत्व रेखांकित करना।
- पाठ आधारित अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्यंग्य विधा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी राग दरबारी कृति के महत्व से परिचित होंगे।
- पाठ आधारित अध्ययन की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास एवं राग दरबारी **(12 घंटे)**

- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास का विकास
- उपन्यास : यथार्थ की अनुभूति एवं अभिव्यक्ति
- स्वातंत्र्योत्तर भारत : संस्थाएं और सत्ता , परिवार, समाज, गांव, क़स्बा और शहर का बदलता स्वरूप
- लोकतंत्र और राग दरबारी

इकाई – 2 : राग दरबारी : कथ्य विश्लेषण **(9 घंटे)**

- राग दरबारी का कथा वितान
- पात्र और चरित्र विकास
- विसंगति, विडंबना और व्यंग्य
- दृश्य और दृष्टि

इकाई – 3 : राग दरबारी : विषयवस्तु और सामयिक यथार्थ **(12 घंटे)**

- राग दरबारी : सामयिक यथार्थ विश्लेषण, प्रासंगिकता
- कथ्य – सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक
- स्वातंत्र्योत्तर भारत की राजनीति

इकाई – 4 : राग दरबारी : शिल्पगत अध्ययन **(12 घंटे)**

- किस्सागोई और राग दरबारी
- राग दरबारी की भाषा, सूत्र भाषा, बिंब, प्रतीक, मुहावरे, चित्रात्मकता
- पात्रों की भाषा का विश्लेषण, नाटकीयता और संवाद
- बहुआयामी विडंबनाओं की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, शीर्षक की सार्थकता

सहायक ग्रंथ :

1. तिवारी, नित्यानंद; सृजनशीलता का संकट, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. फॉक्स, रैल्फ; उपन्यास और लोकजीवन, पीपुल्स पब्लिकेशन हाउस, नयी दिल्ली।
3. यादव, वीरेंद्र; उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. तिवारी, विनोद (संपादक); राग दरबारी (कृति मूल्यांकन : उपन्यास), सेतु प्रकाशन, दिल्ली।
5. मिश्र, रामदरश; हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. मधुरेश, हिंदी उपन्यास का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. राय, गोपाल; हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, नामवर (संपादक); श्रीलाल शुक्ल: जीवन ही जीवन, श्रीलाल शुक्ल अमृत महोत्सव समिति, नयी दिल्ली।
9. अवस्थी, रेखा (संपादक); राग दरबारी : आलोचना की फांस, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।